MASTER OF HINDI (PREV.)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी कविता

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)	15
2	जयशंकार प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)	30
3	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुन्दरी, मैं अकेला, तोडती पत्थर, बादल राग प्रथम खंड	30
4	रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्रा षष्ठम् सर्ग	15

सहायक ग्रंथ

1 मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2 मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ0 ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।
3 निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4 छायावादी काव्य और निराला : डॉ0 कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	गोदान – प्रेमचंद	30
2	बाणभट्ट की आत्मकथा – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	15
3	अतीत के चलचित्रा – महादेवी वर्मा	30
4	कथान्तर – संपा0 डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल पेपरबैक्स,	15

सहायक ग्रंथ

1 गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार ।
2 हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
3 हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4 कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व – पीठिका हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा – निर्धारण	15
2	आदिकाल नामकरण और सीमा परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक आदिकालीन कविता की प्रवृतियॉ रासो काव्य–परंपरा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता	15
3	भक्तिकाल परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक भक्ति–आंदोलन भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य	30
4	भक्तिकाल : स्वर्णयुग रीतिकाल नामकरण और सीमा परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ – रीतिबद्ध रीतिसिद्ध रीतिमुक्त	30

सहायक ग्रंथ

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र : भाषाविज्ञान

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	भाषा भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति भाषा के अध्ययन क्षेत्रा भाषा की व्यवस्था और व्यवहार भाषा की संरचना भाषा के अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक	30
2	स्वनविज्ञान वाग्यंत्रा और ध्वनि–उत्पादन प्रक्रिया स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण स्वनगुण और उनकी की दिशाएँ स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान	15
3	शब्द और रूप (पद) संबंध तत्त्व और अर्थ तत्त्व रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप रूपिमों का वर्गीकरण भाषा की इकाई के रूप में वाक्य अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद वाक्य के प्रकार : रचना की दृष्टि से अर्थ की दृष्टि से वाक्य की गहन संरचना और बाह्य संरचना	15
4	अर्थ विज्ञान अर्थ की अवधारणा, शब्द – अर्थ संबंध अर्थ–बोध के साधन एकार्थकता, अनेकार्थता अर्थ – परिवर्तन की दिशाएँ	15

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

5	भाषा – लिपि एवं अन्य विषय–संबंध भाषा और लिपि के घटकों के संबंध भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्रों/विषयों से संबंध भाषाविज्ञान और व्याकरण, भाषा विज्ञान और साहित्य व्यतिरेकी भाषाविज्ञान समाज भाषाविज्ञान	15

सहायक ग्रंथ

1 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला 2006 ई0

2 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार

विकल्प–;पद्ध : कबीरदास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी निम्नलिखित अंग निर्धारित किए जाते हैं – 1 गुरुदेव कौ अंग 2 सुमिरण कौ अंग 3 बिरह कौ अंग 4 ग्यान बिरह कौ अंग 5 परचा कौ अंग 6 निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग 7 चितावणी कौ अंग 8 मन कौ अंग 9 माया कौ अंग 10 सहज कौ अंग 11 सॉच कौ अंग 12 भ्रम विधौंषण कौ अंग 13 भेष कौ अंग 14 कुसंगति कौ अंग 15 साथ कौ अंग 16 साध महिमा कौ अंग 17 मधि कौ अंग 18 सारग्राही कौ अंग 19 उपदेश कौ अंग 20 बेसास कौ अंग 21 सबद कौ अंग 22 जीवन मृतक कौ अंग 23 हेत प्रीति कौ अंग 24 काल कौ अंग 25 कस्तूरियॉ मृग कौ अंग 26 निंद्या कौ अंग 27 बेली कौ अंग 28 अबिहड कौ अंग	45
2	आलोच्य विषय भक्ति आन्दोलन और कबीर निर्गुणमत और कबीर निर्गुण काव्यपरम्परा और कबीर मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर कबीर का समय कबीर का जीवन वृत्त कबीर का कृतित्व कबीर का समाज दर्शन कबीर का दार्शनिक चिंतन कबीर की भक्ति भावना	45

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी कविता

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
ि लखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली	15
2	नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा,अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी,सत्य, तीन दिन तीन रात ।	30
3	गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती	15
4	रधुवीर सहाय : पढिए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लडकी, रामदास, औरतकी चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा	30

सहायक ग्रंथ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह

2 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा

3 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर

4 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	चंद्रगुप्त – जय शंकर प्रसाद	30
2	आधे अधूरे – मोहन राकेश	15
3	आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर	30
4	4निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है,नाखून क्यों बढते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति कीपुकार हिमालय	15

सहायक ग्रंथ

1 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।

2 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना–गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।

3 मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद

4 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ0 गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन,दिल्ली।

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक 1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण	10
2	भारतेंदु युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ	5
3	द्विवेदी युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ	5
4	छायावादी काव्य : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ	5
5	उत्तर छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ	30
6	हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास कहानीउपन्यास नाटकनिबंध संस्मरणरेखाचित्रा जीवनीआत्मकथा रिपोर्ताज	20
7	हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास	5
8	दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय	5
9	उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय	5

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिंदीभाषा

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	हिंदी भाषा का इतिहास प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय – हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण	15
2	हिंदी का विकासात्मक स्वरूप हिंदी की उप भाषाएँ : पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियाँ पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियाँ मानक हिंदी का स्वरूप काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास साहित्यिक हिंदी के रूप मे खडी बोली का विकास हिंदी की संवैधानिक स्थिति	20
3	हिंदी का भाषिक स्वरूप स्वनिम व्यवस्था : स्वर – परिभाषा और वर्गीकरण व्यंजन – परिभाषा और वर्गीकरण हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ मेंहिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप हिंदी वाक्य रचना हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा	20
4	नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार हिंदी : प्रचार–प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान प्रमुख संस्थाओं का योगदान नागरी लिपि का नामकरण और विकास नागरी लिपि की वैज्ञानिकता नागरी लिपि का मानकीकरण	20
5	हिंदी कंप्यूटिंग कंप्यूटर परिचय एवं महत्व आंकडा संसाधन वर्तनी–शोधन	15

सहायक ग्रंथ

1 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा
2 साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला 2006 ई0

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (PREV.)

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार

विकल्प – । : कबीरदास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक पद – निम्नलिखित पद निर्धारित किए जाते हैं– 1, 2, 3, 4, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 21, 23, 24, 32, 34, 37, 38, 39, 41, 42, 43, 48, 49, 51, 52, 53, 56, 57, 59, 60, 61, 64, 69, 80, 84, 89, 91, 92, 99, 100, 111, 117, 120, 129, 132, 136, 139, 153, 156, 165, 169, 175, 180, 181, 184, 219, 224, 226, 233, 234, 235, 251, 258, 273, 286, 289, 298, 304, 306, 307, 310, 311, 312, 313, 317, 323, 330, 336, 337, 338, 342, 356, 359, 361, 367, 370, 371, 377, 378, 382, 383, 387, 389, 390, 394, 396, 400, 402, 405 – 100 पद 2 रमैंणी सम्पूर्ण	45
2	आलोच्य विषय 1 कबीर का स्त्री विषयक चिन्तन 2 कबीर की मानवतावादी दृष्टि 3 कबीर का रहस्यवाद 4 कबीर के राम 5 कबीर की प्रासंगिकता 6 कबीर के काव्यरूप 7 कबीर की उलटबासियॉ 8 कबीर की प्रतीक योजना 9 कबीर की भाषा 10 कबीर के पारिभाषिक शब्द अलख, सहज, शून्य, निरंजन, रणसम, उन्मानि, अजपाजाम, अनहदनाद, सुरति निरति, नाद बिन्दु, औंधा कुॅआ	45

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृत्ति – राम सजन पाण्डेय
2 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें चन्दरवरदायी: पृथ्वीराज रासउ का पदमावती समय : संपादक माता प्रसाद गुप्त	30
2	विद्यापतिः विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174,176, 178, 190, 191, 199 (अ), 216, 235, 252, 253–कुल 25 पद	30
3	कबीर कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी निर्धारित अंश (।1) पाठ्य साखियॉ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175,176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256 (।।2) पाठ्य पद– 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207,209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 236, 247,250, 253, 254– कुल 25 पद	30

पठनीय पुस्तकें

1 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय काव्यशास्त्रा

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	काव्य : स्वरूप और प्रकार काव्य : अर्थ और परिभाषा काव्य–हेतु काव्य–प्रयोजन काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य	20
2	रस––सिद्धान्त रस : परिभाषा तथा स्वरूप रस–निष्पत्ति साधारणीकरण	20
3	अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ	5
4	रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ	5
5	ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ	5
6	वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ	5
7	औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ	5
8	हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी डॉ0 रामविलास शर्मा	25

पठनीय पुस्तकें

1 काव्यशास्त्रा–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	खंड –क प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत	30
2	खंड –ख हिंदी कंप्यूटिंग कंप्यूटर : परिचय और महत्व कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्रा इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ मशीनी अनुवाद	30
3	खंड ग अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ कार्यालयी हिंदी और अनुवाद कहानी का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ विज्ञापन का अनुवाद	30

पठनीय पुस्तकें

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प– I)

भारतीय साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	खंड –क भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा भारतीय साहित्य का स्वरूप भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं भारतीयता का समाजशास्त्रा हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति	30
2	खंड –ख बांग्ला साहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन चैतन्यपूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय वैष्णव भक्ति परम्परा में चैतन्य महाप्रभु का योगदान बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास बांग्ला की आधुनिक कविता : विकास और परम्परा बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा	30
3	खंड ग हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिमचंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्राी–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन	30

पठनीय पुस्तकें

2रवीन्द्र कविता कानन–सूर्यकांत त्रिापाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

तृतीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र (विकल्प–।।)

नाटक और रंगमंच

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	खण्ड क हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास नाटक का तात्विक विवेचन नाटक और रंगमंच का अंतः संबंध हिंदी रंगमंच का उद्‌भव और विकास नाटक में दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य	30
2	खंड –ख हिंदी रंगमंच, रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक, रंग सज्जा, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, इप्टा	30
3	खंड ग पाठ्य पुस्तकें भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश आलोच्य विषय भारत दुर्दशा : प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य, अभिनेयता आषाढ़ का एक दिन : मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्रा चित्राण, अभिनेयता	30

पठनीय पुस्तकें

1 हिंदी रंगमंच का इतिहासचंदूलाल दुबे
2 आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंचसंपा0 नेमिचंद्र जैन
3 भारतेंदु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षतारमेश गौतम

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें सूरदास भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल पाठ्य पद–21 से 70–कुल 50 पद	30
2	तुलसीदास रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड 81 से 130 तक – कुल 50 दोहे–चौपाइयॉं गीता प्रेस गोरखपुर	30
3	बिहारी बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर' निर्धारित दोहे–1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38,42, 45, 46, 51, 52, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71,73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104,112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 182, 188, 190, 191,192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 317, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713–100 दोहे	30

सहायक ग्रंथ :

1तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
2तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
3तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

पाश्चात्य काव्य शास्त्रा

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	प्लेटो : काव्य सिद्धान्त	10
2	अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धांत	10
3	लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा	10
4	ड्राइडन : काव्य सिद्धांत	5
5	वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत	5
6	कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत	5
7	मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य	5
8	टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	5
9	आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन	10
10	पाश्चात्य काव्यशास्त्रा : सिद्धांत और वाद– स्वच्छन्दतावाद शास्त्रीयतावाद अभिव्यंजनावाद मार्क्सवाद फ्रायडवाद अस्तित्ववाद उत्तर आधुनिकतावाद	30

सहायक ग्रंथ :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्रा के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी,चण्डीगढ ।
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्रा–देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
3 पाश्चात्य काव्यशास्त्रा की परम्परा–डॉ0 तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
4 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	खंड –क पत्राकारिता पत्राकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व हिंदी पत्राकारिता : उद्भव और विकास संवाददाता के गुण समाचार लेखन कला समाचार के स्रोत प्रेस विज्ञप्ति संपादक और संपादन प्रूफ पठन और संशोधन	30
2	खंड–ख मीडिया लेखन जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियॉ जनसंचार माध्यम : मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्रा का साहित्यिक स्वरूप श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्रा आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ विज्ञापन की भाषा	30
3	खंड–ग पारिभाषिक शब्दावली भाषाविज्ञान की शब्दावली मानविकी शब्दावली प्रशासनिक शब्दावली कंप्यूटर शब्दावली	30

सहायक ग्रंथ

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प– I)

भारतीय साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	(क) पाठ्य विषय दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। निर्धारित गजलें : बस कि दुश्वार है 18 ये न थी हमारी किस्मत 21 ज़िक्र उस परीचश का 44 रहिए अब ऐसी जगह 128 कोई उम्मीद बर नहीं आती 162 दिले नादां तुझे हुआ क्या है 163 हर एक बात पै कहते हो 179 नुक्तची है ग़म–ए–दिल 192 इब्ने मरियम हुआ करे कोई 216 हजारों ख्वाहिशें ऐसी 220 रवीन्द्रनाथ की कहानियॉ (खण्ड I), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियॉ– पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्रा, पात्रा और पात्री 'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति	45
2	(ख)आलोच्य विषय ग़ालिब की ग़ज़लों का काव्य–सौष्ठव रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियॉ–पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना एवं चरित्रा चित्राण पर आधारित प्रश्न 'खामोश अदालत जारी है' : नाटक की मूल संवेदना, प्रमुख पात्राों का चरित्रा–चित्राण, पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर व्यंग्य,रंगमंच की दृष्टि से नाटक संस्कार : उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्राों का चरित्रा चित्राण,उपन्यास का शिल्प–पक्ष	45

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

सहायक ग्रंथ :

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य – सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागसं0 2009

2 रवीन्द्र कविता कानन – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955

3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970

4 फोर्ट विलियम कालेज, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948

5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

MASTER OF HINDI (Final)

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र (विकल्प–।।)

नाटक और रंगमंच

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

UNIT	CONTENTS	NO. of periods
1	(क) पाठ्य पुस्तकें : अंधा युग : धर्मवीर भारती एक सत्य हरिश्चन्द्र : लक्ष्मीनारायण लाल एक कंठ विषपायी : दुष्यंत कुमार बकरी : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	45
2	(ख)आलोच्य विषय अंधा युग : नाट्य–काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूल संवेदना, नामकरण की सार्थकता,प्रमुख पात्रों का चरित्रा चित्राण एक सत्य हरिश्चन्द्र : प्रतिपाद्य, नामकरण, नायकत्व, प्रमुख पात्रों का चरित्रा चित्राण,अभिनेयता एक कंठ विषपायी : नाट्य–काव्य के रूप में मूल्यांकन, मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों काचरित्रा चित्राण बकरी : प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, अभिनेयता	45

सहायक पुस्तकें

1 अन्धायुग और भारती के अन्य नाट्य प्रयोगजयदेव तनेजा

2 हिंदी नाटक और लक्ष्मीनारायण लाल की रंगयात्राडॉ0 चन्द्रशेखर

3 दुष्यंत कुमार का काव्य : संवेदना और शिल्पदेवीलाल

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH